संक्षिप्त समाचार

अब 75 लाख की कार में घूम रही दिल्ली में वड़ा पाव बेचने वाली लड़की, वीडियो में दिखा जलवा

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसी)। दिल्ली की वड़ा पाव गर्ल चंद्रिका दीक्षित सोशल मीडिया सेंसेशन बन गई हैं। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में उनका फास्ट फूड स्टॉल है, जहां वह वड़ा पाव बेचती हैं। उनके स्टॉल पर रोजाना सैकड़ों लोग पहुंचते हैं।अब वह अपनी नई कार- फोर्ड मस्टैंग के साथ एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उन्हें अपनी नई कार- फोर्ड मस्टैंग चलाते हुए देखा गया और यह वीडियो अब वायरल हो गया है। ऑनलाइन साझा किए गए इस वीडियो में सफेद फोर्ड मस्टैंग कार के आसपास लोगों का एक समूह इकट्ठा हुआ दिखाया गया है। इसके बाद कैमरा एक शख्स की ओर जाता है, जो लक्जरी कार का डिक्की खोलता है, जिससे पता चलता है कि चंद्रिका दीक्षित पाव या ब्रेड की प्लेट के साथ अंदर बैठी हैं। चंद्रिका कहती हैं कि इंतजार कीजिए जल्द ही कुछ बड़ा होने वाला है। भीड़ तालियों की गड़गड़ाहट से उनका हौसला बढ़ाती है। चंद्रिका ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो साझा किया और लिखा- वड़ा पाव गर्ल ने मस्टैंग कार में वड़ा पाव बेचना शुरू किया। चंद्रिका दीक्षित अक्सर फोटो-शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी नवीनतम खरीदारी के वीडियो साझा करती हैं। दो दिन पहले पोस्ट किए गए एक वीडियो में वह मस्टैंग से बाहर निकलती है और नवीनतम आईफोन, एक ऐप्पल वॉच और एयरपॉड्स खरीदने के लिए एक दुकान में जाती है। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वह कहती सुनाई दे रही हैं कि उन्हें गिरफ्तार किया गया था। उनके इस आरोप के बाद दिल्ली पुलिस ने सफाई देते हुए कहा कि उन्हें कभी हिरासत में नहीं लिया गया और न ही उन पर कोई चार्ज लगाया गया।

दिल्ली के दिल में दुकान-ऑफिस किराए पर लेना सबसे महंगा

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में कनॉट प्लेस में हाई स्ट्रीट रिटेल स्पेस के लिए किराये की दरों में साल-दर-साल 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो टियर-वन शहरों में सबसे अधिक है। इसका मतलब यहां पर दुकान, दफ्तर किराये पर लेना टियर वन शहरों में सबसे महंगा है। कनॉट प्लेस के बाद बेंगलुरु की हेनूर मेन रोड और कमर्शियल स्ट्रीट हैं, जहां किराये में साल-दर-साल क्रमश 20 और 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। संपत्ति सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, टियर-टू शहरों में गुवाहाटी-शिलांग रोड पर सबसे अधिक 38 फीसदी किराये में वृद्धि दर्ज हुई। नाइट फ्रैंक इंडिया ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट ह्यथिंक इंडिया थिंक रिटेल 2024- शॉपिंग सेंटर और 29 शहरों में हाई स्ट्रीट डायनेमिक्स में बताया है कि वर्ष 2023 में हाई स्ट्रीट (व्यावसायिक स्थल) प्रति वर्ग फुट औसतन 370 अमेरिकी डॉलर की कमाई करती है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2024-25 के लिए 29 शहरों की 58 हाई स्ट्रीट पर संभावित खपत लगभग तीन बिलियन अमेरिकी डॉलर होगी।परिचालन स्टोर की कुल संख्या 7,246 है, जिनमें से अधिकांश टियर-वन बाजारों में स्थित हैं।

मिट जाएगा अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल का नामोनिशान!

नईदिल्ली, 8 मई (एजेंसी)। कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल के लिए हिंदुजा ग्रुप की कंपनी इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड ने सबसे बड़ी बोली लगाई थी। कंपनी के लेंडर्स ने पिछले साल जून में इस रेजॉल्यूशन प्लान को मंजूरी दी थी। फरवरी में एनसीएलटी से भी इसे हरी झंडी मिल गई। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हिंदुजा ग्रुप ने रिलायंस कैपिटल और उसकी ऑपरेटिंग कंपनियों की रिब्रांडिंग शुरू कर दी है। कंपनी ने अपने 9,661 करोड़ रुपये के रेजॉल्यूशन प्लान को लागू करने के लिए कंपनियों के नामों में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए आरबीआई से मंजूरी मांगी गई है। एनसीएलटी ने इस रेजॉल्यूशन प्लान को लागू करने के लिए 27 मई की डेडलाइन तय की है।

मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि रिब्रांडिंग के तहत होल्डिंग कंपनी रिलायंस कैप का नाम इंडसइंड इंश्योरेंस होल्डिंग कंपनी होगा। हिंदुजा ग्रुप का फोकस रिलायंस कैप के इंश्योरेंस बिजनस को खरीदने पर है। रिलायंस निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी का नाम इंडसइंड निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी होगा। इसी तरह रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी का नया नाम इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी होगा। आरएनएलआइसी एक लाइफ इंश्योरेंस वेंचर है जिसमें जापान की कंपनी निप्पन लाइफ की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि रिलायंस कैप के पास 51 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिलायंस हेल्थ इंश्योरेंस का नाम इंडसइंड हेल्थ इंश्योरेंस होगा। इस बीच मिंट की एक न्यूज के मुताबिक आईआईएचएल ने रिलायंस कैप के रेजॉल्यूशन प्लान को लागू करने के लिए कॉरपोरेट स्ट्रक्चर में बदलाव का प्रस्ताव रखा है। नई कंपनियों के नाम का प्रस्ताव आरबीआई को भेजा गया है। जानकारों का कहना है कि डील में नई कंपनियों को शामिल करने के लिए नए सिरे से रेगुलेटरी अप्रूवल की जरूरत होगी।

दिल्ली में फरवरी के बाद सबसे खराब श्रेणी में पहुंची हवा

एक्यूआई 400 के पार

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में धूल भरी हवाओं ने सांस के मरीजों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। दिल्ली में मंगलवार को फरवरी के बाद से सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में शाम को 6 बजे एक्यूआई 306 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में था। दिल्ली में 14 फरवरी को एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी (301 से 400 के बीच) में दर्ज किया गया था। बता दें कि दिल्ली में तीन मई से एक्यूआई बेहद खराब श्रेणी में बना हुआ है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि चूंकि दिल्ली और आसपास के इलाके में लंबे समय से बारिश नहीं हुई है। इसके चलते जमीन की ऊपरी परत कमजोर हुई और धूल की मात्रा बढ़ी है। इससे हवा में धूल कणों के बढ़ने से प्रदूषण बढ़ा है। हवा की दिशा और गति में तेजी से बदलाव के कारण भी इलाके में प्रदूषण बढ़ा है। मंगलवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, मंगलवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 302 अंक पर रहा। सोमवार को यह 257 था। इससे पहले 14 फरवरी को सूचकांक 341 अंक पर था। वहीं, दो इलाकों का सूचकांक 400 के पार यानी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। दिल्ली में एक्यूआई मंगलवार की सुबह से यह खराब होना शुरू हो गया था। पश्चिमी दिल्ली के शादीपुर में एक्यूआई 406 और आनंद विहार में 408 दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अपने बयान में कहा कि दिल्ली में बिगड़ती हवा को देखते हुए मंगलवार को एक तत्काल बैठक बुलाई। आयोग ने सभी एजेंसियों को निर्माण और विध्वंस गतिविधियों, सड़कों से उड़ने वाली धूल को रोकने के लिए तेजी से काम करने का निर्देश दिया है। सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, एनसीआर के क्षेत्रों में सबसे खराब एक्यूआई दिल्ली में दर्ज किया गया। दूसरे नंबर पर फरीदाबाद रहा जहां एक्यूआई 303, ग्रेटर नोएडा में एक्यूआई 340 और नोएडा में 319 दर्ज किया गया।

दिल्लीवालों को चिलचिलाती धूप से मिलने वाली है राहत

दिल्ली में साफ आसमान की वजह से तापमान बढ़ने लगा है। दिन में तेज चिलचिलाती धूप ने लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। मंगलवार को राजधानी का अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस गर्मी के मौसम में सबसे अधिक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। इससे पहले छह मई सबसे गर्म दिन था, तब अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। ड्राई (शुष्क) स्थितियों के कारण दिल्ली में धूल भरी हवाएं चलीं, जिसके कारण हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई।

दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को पूरे दिन 10-15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी हवाएं चलीं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक राहत की कोई संभावना नहीं है। इस दौरान अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहेगा और इसी तरह की धूल भरी स्थिति बनी रहने की उम्मीद है। प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने पीटीआई को बताया कि साप्ताहिक पूर्वानुमान के अनुसार, तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा, जिसके परिणामस्वरूप राजधानी में हीटवेव (लू) की स्थिति लागू नहीं होगी।

मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि मौसम पिछले साल जैसा ही बना रहेगा और 11 व 12 मई को हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, वर्ष 2023 में मई महीने के दूसरे हफ्ते के दौरान राजधानी में 42 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया और पिछली गर्मी के मौसम में हीटवेव नहीं थी। मंगलवार को दिन के वक्त सापेक्षिक आर्द्रता 24 से 71 फीसदी के बीच रही। मौसम विभाग ने बुधवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने और अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 41 और 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान जताया है। श्रीवास्तव ने बताया की पूर्वी हवाएं अब दिल्ली की ओर चलने लगी हैं, जो अपने साथ थोड़ी नमी लाती हैं। ऐसा माना जा रहा है कि बुधवार और गुरुवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

20 साल की लड़की को 27 हफ्ते का गर्भ गिराने की नहीं मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक 20 वर्षीय लड़की को उसके 27 हफ्ते के गर्भ को गिराने की अनुमति नहीं दी है। अदालत ने कहा कि गर्भ स्वस्थ है और याचिकाकर्ता को गर्भावस्था बरकरार रखने में कोई खतरा नहीं है। ऐसे में भ्रूणहत्या नैतिक या कानूनी रूप से स्वीकार्य नहीं होगी। हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता लड़की की मेडिकल रिपोर्ट से पता चला है कि भ्रूण में ना तो कोई जन्मजात असामान्यता है, ना ही गर्भावस्था जारी रखने में मां को कोई खतरा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता लड़की को बच्चे को जन्म देने के लिए प्रेरित करना होगा। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि यह मां के भविष्य के गर्भधारण के लिए भी हानिकारक हो सकता है। यदि महिला चाहे तो प्रसव और भविष्य की कार्रवाई के लिए एम्स दिल्ली से संपर्क कर सकती है। प्रमुख संस्थान उसे सभी सुविधाएं प्रदान करेगा और उसकी गर्भावस्था के संबंध में सलाह देगा। यदि महिला बच्चे को गोद देने के लिए इच्छुक है तो वह केन्द्र सरकार से संपर्क कर सकती है। पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें महिला ने कहा था कि वह एनईईटी परीक्षा की तैयारी कर रही है।

स्कूलों में किताबें नहीं बंटने पर हाईकोर्ट ने लगाई अधिकारियों की क्लास

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकारी स्कूलों में बच्चों को किताबें वितरण करने में हो रही देरी को लेकर मंगलवार को संबंधित सरकारी अधिकारियों की जमकर खिंचाई की। साथ ही कहा कि शैक्षणिक वर्ष का पहला सत्र बिना किताबों के ही बीत गया। कोर्ट ने अधिकारियों से इस काम में हो रही देरी का कारण पूछा और कहा कि यह भी तब है जब सरकार ही किताबों के प्रकाशन और वितरण पर पैसा खर्च कर रही थी।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और जस्टिस मनमीत पीएस अरोरा की बेंच ने पूछा, ऐसा क्यों हो रहा है? जब आप पैसा खर्च कर रहे हैं, आप किताबें बांट रहे हैं, तो आप इसे देरी से क्यों बांटेंगे? यह काम समय पर क्यों नहीं हो सकता है? इस साल क्या गलती हुई कि किताबें समय पर नहीं बंटीं? अदालत ने कहा, सरकार वितरण और प्रकाशन पर पैसा खर्च कर रही है। लेकिन इसका क्या फायदा अगर हम इसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं।

एनसीआर में चलेगी ऑर्बिटल रेल, प्रदूषण और ट्रैफिक भी होगा कम; लाखों लोगों को फायदा

नईदिल्ली, 8 मई (एजेंसी)। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) के समानांतर ऑर्बिटल रेल चलाने की कवायद तेज हो गई है। इस परियोजना से दादरी और बुलंदशहर के गांवों की जमीन पर बसने वाले नए नोएडा के लिए रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस मामले में गाजियाबाद में मंगलवार को मेरठ मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे. की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक हुई। मंडलायुक्त ने स्पष्ट कहा कि प्रोजेक्ट की फिजिबिलिटी रिपोर्ट के साथ सर्वेक्षण करने और डाटा एकत्र करने के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया जाए। अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड की डीजीएम आभा गुप्ता ने प्रोजेक्ट की विस्तरण जानकारी दी। नए नोएडा और दिल्ली के चारों तरफ रिंग रोड की तरह आर्बिटल रेल कॉरिडोर गुजरेगा। यह पलवल से सोनीपत तक होगा। इसमें यमुना प्राधिकरण, नया नोएडा, ग्रेटर नोएडा फेज-2, दादरी का एरिया आएगा। इसमें नए नोएडा के अंदर 4.8 किलोमीटर का आर्बिटल रेल नेटवर्क होगा। वहीं, ग्रेटर नोएडा से करीब 22 किलोमीटर की दूरी से आर्बिटल रेल का नेटवर्क गुजरेगा। दादरी-नोएडा-गाजियाबाद को मिलाकर विशेष निवेश क्षेत्र बनाया जाना है। यह नए नोएडा के नाम से जाना जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि आर्बिटल रेल नेटवर्क को चोला से रूंधी तक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए बिछले वाली रेल लाइन से जोड़कर एयरपोर्ट से भी कनेक्टिविटी दी जाएगी। दनकौर रेलवे स्टेशन से भी आर्बिटल रेल का नेटवर्क जुड़ेगा। दादरी के न्यू बोड़ाकी में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से कनेक्टिविटी होगी।

आर्बिटेल रेल कॉरिडोर के बनने से दिल्ली-एनसीआर की सड़कों से यातायात का दबाव कम होगा। रेल यातायात का दबाव कम करने के लिए ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर की योजना बनाई गई। ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर माल ढुलाई में काफी कारगर होगी। इससे हरियाणा में आईएमटी और तमाम लॉजिस्टिक हब को कनेक्ट किया जाएगा। इससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों पर माल वाहनों की आवाजाही कम होगी, इससे प्रदूषण में भी कमी आएगी।

उत्तर कोरिया में पसरा मातम, रात 2 बजे देश की न्यूज एजेंसी को देनी पड़ी जानकारी

प्योंगयांग, 8 मई (एजेंसी)। उत्तर कोरिया में इस समय शोक की लहर है। दरअसल, देश के दिग्गज नेता किम की नाम की मंगलवार को 94 साल में निधन हो गया। उत्तर कोरिया की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी को आधी रात में इसकी जानकारी देनी पड़ी। एजेंसी ने बताया कि देश के नेता किम जोंग उन ने मंगलवार देर रात 2 बजे राजधानी प्योंगयांग में किम की नाम को श्रद्धांजलि दी और परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त किया। बता दें कि किम की नाम, सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले उत्तर कोरियाई अधिकारियों में से एक, नेता थे। इन्होंने देश के नेताओं की सभी तीन पीढ़ियों को उनकी राजनीतिक वैधता को मजबूत करने और वंशवादी राज्य के लिए प्रचार तंत्र का नेतृत्व करने के लिए सेवा प्रदान की। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने रात 2 बजे किम की अर्थी के दर्शन किए। वह उत्तर कोरिया के एक अनुभवी नेता थे, जो अंत तक देश के प्रति असीम रूप से वफादार रहे। वह वफादार अधिकारियों के एक मुख्य समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने किम की तीन पीढ़ियों को बनाए रखने के लिए काम किया था। किम उन बहुत कम उत्तर कोरियाई अधिकारियों में से एक थे जिन्होंने दक्षिण का दौरा किया था। उन्होंने 2009 में राष्ट्रपति किम डे-जंग की मृत्यु के बाद एक अंतिम संस्कार प्रतिनिधिमंडल का भी नेतृत्व किया था। दक्षिण कोरियाई सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वह 1985 में राज्य के संस्थापक किम इल सुंग के शासन के दौरान प्रमुख बने और 2017 में सेवानिवृत्त हुए।

वह विशेष रूप से वर्तमान नेता के पिता किम जोंग-इल के करीबी थे, जिनकी 2011 में मृत्यु हो गई थी। माना जाता है कि वह उनके शराब पीने वाले दोस्तों में से एक थे।

विदेशों में भी हिट हो रहा बुलडोजर ऐक्शन, फिलिस्तीन समर्थकों के शिविर को तोड़ा; हिंसक प्रदर्शन

एम्स्टर्डम , 8 मई (एजेंसी)। नीदरलैंड की राजधानी में मंगलवार को फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन एक बार फिर से तेज हो गया। इससे एक दिन पहले ही फिलिस्तीन समर्थकों पर बुलडोजर ऐक्शन देखने को मिला था। दंगा रोधी पुलिस ने एम्स्टर्डम यूनिवर्सिटी में एक शिविर को हिंसक तरीके से तोड़ डाला था। इससे भड़के सैकड़ों लोगों ने आज गाजा युद्ध विरोधी नारे लगाए। उन्होंने एम्स्टर्डम शहर की सड़कों को जाम कर दिया। इस दौरान इजरायल के सैन्य अभियानों की जमकर निंदा की गई। यूनिवर्सिटी कैंपस के आसपास बड़ी संख्या में आज प्रदर्शनकारियों जुटे थे। उन्होंने नारे लगाए, फ्री-फ्री फिलिस्तीन! उन्होंने एकजुट लोग नहीं हारेंगे के भी नारे लगाए। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने मंगलवार की सुबह बैरिकेड्स को हटाने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया। इस दौरान हिंसक झड़पें हुईं और 140 लोगों को हिरासत में ले लिया गया। इस विरोध प्रदर्शन के वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पुलिस ने जिस तरह से बुलडोजर का इस्तेमाल किया, उससे टीचर्स और यूनिवर्सिटी के कर्मचारी काफी भड़के हुए थे। इन लोगों ने आज दोपहर को एक और विरोध प्रदर्शन निकालने की अपील की। डच स्कॉलर्स फॉर फिलिस्तीन नाम के समूह ने अपने बयान में कहा, छात्रों और कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें जबरन हटाने के लिए मिर्च स्प्रे, पुलिस के डंडों, पुलिस कुत्तों और बुलडोजर के इस्तेमाल किया गय। इस दौरान काफी हिंसा हुई और कई लोग घायल हो गए। इस बीच, फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने गाजा पट्टी में युद्ध समाप्ति समझौते में मध्यस्थता के लिए मिस्र और कतर के प्रयासों का स्वागत किया है। अब्बास ने युद्धविराम और गाजा पट्टी से पूर्ण वापसी के लिए इजरायल की प्रतिबद्धता के लिए आशा व्यक्त की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह इजरायल पर युद्ध समाप्त करने और फिलीस्तीनी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों को अपने कब्जे से मुक्त करने पर जोर दें। इससे पहले, हमास ने घोषणा की कि उसने मिस्र और कतर में मध्यस्थों को गाजा पट्टी के लिए युद्धविराम प्रस्ताव को मंजूरी देने के बारे में जानकारी दे दी है।

गांवों के भरोसे चल रही है एफएमसीजी इंडस्ट्री रिपोर्ट तो यही बता रही है

नईदिल्ली, 8 मई (एजेंसी)। पैकेज्ड या प्रोसेस्ड फूड जैसे नूडल्स-पास्ता, सॉस-कैचप, मेयोनीज, आलू के चिप्स, फलों के रस, चीज, पनीर, बेवरेज, तेल साबुन, शैंपू, बिस्किट आदि फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स या एफएमसीजी के नाम से जाना जाता है। कुछ साल पहले तक इन सामानों की बिक्री अधिकतर शहरों में ही होती थी। लेकिन अब गांवों ने शहरों को पीछे छोड़ दिया है। जी हां, कंज्यूमर इंटेलिजेंस फर्म नील्सनआईक्यू की एक रिपोर्ट से तो यही

अंदाजा मिल रहा है। नील्सनआईक्यू की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल जनवरी से मार्च के दौरान ग्रामीण इलाकों में पैकेज्ड फूड, बेवरेजेज, तेल, साबुन, शैंपू जैसी चीजों को बिक्री शहरी इलाकों से तेज हो रही है। ऐसा पिछले 15 महीनों में पहली बार हुआ है। इसका संकेत तो यही है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार है, तभी तो वहां एफएमसीजी प्रोडक्ट्स की डिमांड बढ़ी है।

क्या क्या बिक रहे हैं ज्यादा

जनवरी-मार्च की तिमाही में एक और संकेत मिले हैं। इस दौरान फूड आइटम्स के बजाय तेल, साबुन, शेपू और टूथपेस्ट सहित पर्सनल और होम केयर प्रोडक्ट्स की बिक्री ज्यादा रही। फूड आइटम्स के मुकाबले नॉन- फूड कैटिगरी की ग्रोथ लगभग दोगुनी रही। नील्सनआईक्यू की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि ग्रामीण इलाकों में डिमांड तिमाही दर तिमाही आधार पर 7.6 प्रतिशत बढ़ी, वहीं शहरी इलाकों में इसमें 5.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। हेड कस्टमर सक्सेस इंडिया, रुजवेल्ट डिसूजा ने बताया कि होम और पर्सनल केयर कैटिगरीज ने फूड कैटिगरीज से बेहतर प्रदर्शन किया। नॉन-फूड सेक्टर की ग्रोथ 11 प्रतिशत रही, वहीं फूड कैटिगरी में बिक्री 4.8 प्रतिशत बढ़ी अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में फूड सेक्टर की ग्रोथ 5.4 प्रतिशत और नॉन-फूड सेक्टर की ग्रोथ 9.6 प्रतिशत थी।